भाषा सप्ताह
भाव निकुंज/देशभक्ति सर्वव्यापक

दिनांक : 9 - 13 जुलाई, 2018
स्थान : आई.टी.एल. पब्लिक स्कूल
संचालनकर्त्ता : हिंदी तथा संस्कृत विभाग
उपस्थिति : कक्षा पहली से दसवीं

"भाषा ही है सबकी शक्ति, मन के उद्गारों की अभिव्यक्ति"

विगत वर्षों की भाँति **आई.टी.एल. विद्यालय** के प्रांगण में इस वर्ष भी **भाषा सप्ताह** का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी एवं संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रों द्वारा अनेक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं ।इसमें कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर रोचक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

प्रथम दिवस को **कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा में** एक सुंदर **देशभक्ति गीत** प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति की भावना का संचार करना तथा छात्रों के श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना था।इसके माध्यम से छात्र भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा के महत्त्व को भी जानने में समर्थ हुए।

द्वितीय दिवस कक्षा पाँचवीं तथा छठी के विद्यार्थियों द्वारा **आयरलैंड की भाषा में** एक मधुर **लोकगीत** प्रस्तुत किया गया।इसका उद्देश्य छात्रों को विदेशी संस्कृति तथा वेशभूषा की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ विश्वबंधुत्व की भावना का विकास करना था। छात्रों ने बहुत ही मधुरता तथा उत्साह के साथ गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

तृतीय दिवस पर **कक्षा प्रथम के विदयार्थियों ने पंचतंत्र की कहानियों** को विभिन्न जानवरों के मुखौटे पहनकर अभिनीत किया तथा इस गतिविधि के माध्यम से जीवन में पेड़ों का महत्त्व तथा अभिनय द्वारा भावाभिव्यक्ति करना सीखा तथा **कक्षा सातवीं के छात्रों द्वारा एक भित्तिपत्रिका का निर्माण** किया गया जिसमें उन्होंने **अंग्रेज़ी तथा आयरिश भाषाओं के उद्गम,** इतिहास तथा वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर शोध कार्य किया तथा बहुत ही सुंदर ढंग से लेख एवं चित्रों के माध्यम से सकारात्मक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए।

चतुर्थ दिवस को **कक्षा द्वितीय के छात्रों द्वारा अकबर-बीरबल के रोचक किस्से** सुनाए गए।इस गतिविधि में छात्रों की दादी तथा नानी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा हिंदी भाषा को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित भी किया।इस गतिविधि के माध्यम से छात्रों के श्रवण कौशल, स्मरणशक्ति तथा एकाग्रता में वृद्धि हुई।**कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का मंचन** किया गया जिसके माध्यम से छात्रों ने स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ समझाते हुए छात्रों में देशभक्ति की भावना का संचार करते हुए देश के प्रति कर्त्तव्य निभाने के लिए जागरूक किया।

भाषा सप्ताह के अंतिम दिवस पर **कक्षा तृतीय** द्वारा **काव्य शैली** को प्रोत्साहन देते हुए **नीति के दोहे** प्रस्तुत किए गए। इसका उद्देश्य छात्रों को नैतिक सीख देने के साथ-साथ उनका चारित्रिक विकास करना एवं कम शब्दों के प्रयोग द्वारा गहरी बात कहना सिखाना था। **कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा** दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों के इतिहास, उनका रखरखाव तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर आधारित **वृत्तचित्र का निर्माण** एवं प्रस्ततिकरण किया। जिसमें छात्रों ने दिए गए विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की तथा बहुत ही सुंदर एवं रोचक ढंग से उसे प्रस्तुत किया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपनी सभ्यता और संस्कृति तथा संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था।

छात्रों ने सभी गतिविधियों को बहुत ही रोचक ढंग से तथा उत्साहपूर्वक प्रस्तुत किया एवं भिन्न-भिन्न प्रकार से अपनी योग्यता एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नैतिक सीख भी प्रदान की। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य छात्रों में हिंदी तथा संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा भाषा कौशलों का विकास करना था।